नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 354
दि. 27.04.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

लखनऊः 986 महिला आरक्षियों की पासिंग आउट परेड, आधुनिक पुलिसिंग प्रशिक्षण का प्रदर्शन

(एजेंसी)।

लखनऊ में 986 महिला रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड 26 अप्रैल को होगी, जिसमें सीएम योगी सलामी लेंगे और साइबर क्राइम सहित आधुनिक पुलिसिंग प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया जाएगा.

आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2025 के तहत चयनित 60,244 आरक्षियों में से पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की आरटीसी में प्रशिक्षण प्राप्त 986 महिला रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड 26 अप्रैल को रिजर्व पुलिस लाइंस, महानगर, लखनऊ में आयोजित होगी. परेड का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सलामी लेंगे. प्रशिक्षण के दौरान इन महिला आरक्षियों को आधुनिक पुलिसिंग से लेकर साइबर क्राइम तक का प्रशिक्षण दिया गया है.

कार्यक्रम सुबह करीब 8 बजे शुरू होगा और इसे प्रदेश के सभी जनपदों के पुलिस लाइंस, पीएसी वाहिनियों व प्रशिक्षण संस्थानों में लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा. इससे एक साथ पूरे प्रदेश में महिला सशक्तीकरण के साथ-साथ पुलिस बल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का भी मजबूत संदेश जाएगा.

2017 के बाद महिलाओं की रिकॉर्ड भर्ती

1947 से लेकर 2017 तक यूपी पुलिस में सिर्फ 10 हजार महिलाओं की भर्ती हुई थी, जबकि 2017 के बाद यह संख्या 44 से 45 हजार पहुंच गई है. अब प्रदेश में पुलिस भर्ती होने पर 20 प्रतिशत महिलाओं की भर्ती को अनिवार्य कर दिया गया है.

फिजिकल ट्रेनिंग के साथ पुलिसिंग पर फोकस

आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2025 के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं महिला आरक्षियों को फिजिकल ट्रेनिंग के साथ-साथ आधुनिक पुलिसिंग के सभी जरूरी पहलुओं में प्रशिक्षित किया गया है.

प्रशिक्षण में सोशल पुलिसिंग, साइबर क्राइम की रोकथाम, आधुनिक तकनीक, सीसीटीएनएस, फॉरेंसिक साइंस व मेडिसिन, हथियार संचालन, अपराध नियंत्रण, विवेचना, पुलिस अभियोजन, सुरक्षा व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और पुलिस रेडियो संचार प्रणाली जैसे विषय शामिल रहे.

आधुनिक, संवेदनशील और सक्षम पुलिस कर्मी के रूप में किया गया तैयार

इसके साथ ही भारतीय संविधान, मानवाधिकार, लैंगिक संवेदनशीलता,

पुलिस की कार्यप्रणाली, अनुशासन, पहचान, सैल्यूट की विधि, योग, खेल नैतिकता और जवाबदेही पर भी विशेष जोर दिया गया.

व्यावहारिक प्रशिक्षण के तहत आरक्षियों को गार्ड ड्यूटी, बंदी एस्कॉर्ट, हवालात ड्यूटी, वर्दी पहनने के नियम, अधिकारियों की वर्दी और श्रमदान जैसी गतिविधियों में भी दक्ष बनाया गया. यह प्रशिक्षण महिला आरक्षियों को आधुनिक, संवेदनशील और सक्षम पुलिस कर्मी के रूप में तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित हैं, जानकर राहत मिली...', वॉशिंगटन होटल में फायरिंग पर बोले पीएम मोदी

(जीएनएस)।

वॉशिंगटन में हिल्टन होटल में हुई फायरिंग में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने फायरिंग के बाद ट्रंप के सुरक्षित रहने पर राहत भरी सांस ली है.

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इस घटना की निंदा की है. उन्होंने ट्रंप समेत सभी अधिकारियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना भी की.

प्रधानमंत्री ने लिखा, 'ये जानकर राहत मिली कि वॉशिंगटन डीसी के एक होटल में हुई हालिया सिक्योरिटी ब्रीच के बाद राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति सुरक्षित और स्वस्थ हैं. मैं उनकी लगातार सुरक्षा और कुशल मंगल की कामना करता हूं. लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है और इसकी निंदा की जानी चाहिए.

बता दें कि हिल्टन होटल में 'व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर' के दौरान एक संदिग्ध ने कई राउंड फायरिंग कर दी. इस दौरान बॉलरूम में ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस समेत दिग्गज कैबिनेट अधिकारी मौजूद थी. हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने सभी को होटल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया. राष्ट्रपति ट्रंप ने इस घटना के बाद व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की.

इस दौरान उन्होंने इस घटना को ईरान जंग के साथ जोड़ते हुए कहा, 'ये घटना मुझे जंग जीतने से नहीं रोक पाएगी.' आरोपी शख्स सुरक्षा घेरा तोड़कर हथियारों के साथ होटल में घुसा था और उसने सीक्रेस सर्विस एजेंट पर फायरिंग कर दी. हालांकि बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से एजेंट की जान बच गई. वहीं, आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और मेडिकल के लिए अस्पताल भेज दिया गया है.

माली में कत्लेआम! रक्षा मंत्री समेत पूरे परिवार को बम से उड़ाया, दहल उठा पूरा देश

(जीएनएस)।

अफ्रीकी देश माली से एक दहला देने वाली खबर सामने आई है। राजधानी बमाको के पास स्थित किता शहर में रक्षा मंत्री सादियो कामारा के घर पर एक भीषण आतंकी हमला हुआ। शनिवार को हुए इस कार बम धमाके में न केवल रक्षा मंत्री, बल्कि उनकी पत्नी और उनके दो मासूम पोते-पोतियों की भी जान चली गई।

इस हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब माली की सेना और विद्रोही गुटों के बीच सत्ता और जमीन को लेकर जंग चरम पर है।

इस हमले की जिम्मेदारी तुआरेग विद्रोहियों (FLA) और अल-कायदा से जुड़े संगठन 'जेएनआईएम' (JNIM) ने मिलकर ली है। इन गुटों ने हाथ मिलाकर सरकार और सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रक्षा मंत्री की हत्या के बाद किदाल, गाओ और सेवेरे जैसे इलाकों में हिंसा और ज्यादा भड़क गई

है। जानकारों का कहना है कि इन गुटों का मकसद छोटे शहरों पर राज करना नहीं, बल्कि सुनियोजित हमलों के जरिए सेना का मनोबल तोड़ना और बड़े प्रतीकात्मक शहरों पर कब्जा करना है।

सत्ता के लिए वर्षों से जारी खूनी संघर्ष

माली पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से हिंसा की आग में जल रहा है। साल 2020 में सेना द्वारा तख्तापलट करने के बाद से हालात और भी खराब हो गए हैं। शनिवार को हुआ यह हमला 2020 के बाद का सबसे भीषण हमला माना जा रहा है। यहाँ कई आतंकी गुट सक्रिय हैं जो सेना को चुनौती दे रहे हैं। विद्रोही गुटों का मुख्य लक्ष्य किदाल जैसे महत्वपूर्ण शहरों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है, जिसे वे अपनी शक्ति का प्रतीक मानते हैं।

पड़ोसी देशों तक फैला आतंक का जाल

माली की सुरक्षा स्थिति का असर उसके पड़ोसी देशों नाइजर और बुर्किना फासो पर भी पड़ रहा है। ये तीनों देश अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे कट्टरपंथी संगठनों से लड़ रहे हैं।

रामलला के दरबार में गूंजेगा हर-हर महादेव, 29 अप्रैल को शिव मंदिर पर ध्वजा फहराएंगे सीएम योगी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर के सभी मंदिरों में देवी-देवताओं के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात मंदिर

रामलला, माता अन्नपूर्णा, सूर्यदेव, हनुमान जी और गणेश मंदिरों के शिखरों पर ध्वजारोहण हो चुका है। वहीं अब शिव मंदिर पर ध्वजारोहण की तैयारी है। शिव मंदिर पर ध्वजारोहण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 29 अप्रैल को करेंगे।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय ने बताया कि आगामी वैशाख शुक्ल त्रयोदशी 29 अप्रैल (बुधवार) को शाम 5 बजे शिव मंदिर पर ध्वजारोहण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराया जाएगा।

'वर्दी का गौरव और सीएम का साथ', लखनऊ पुलिस लाइन में गूंजी महिला आरक्षियों की शपथ, योगी सरकार की नीतियों को सराहा

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती के अंतर्गत वर्ष 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह में शामिल हुए। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद चयनित महिला आरक्षियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और सरकार की नीतियों की सराहना की। रायबरेली की दीप्ति पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में महिला आरक्षी पद की शपथ लेना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा के साथ जिम्मेदारी निभाने का अवसर दिया है। जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगी।

योगी सरकार में बढ़ा महिलाओं का मान-सम्मान

चयनित पुलिस आरक्षी सुमन यादव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार का यह कदम महिलाओं के मान-सम्मान को बढ़ाने वाला है। उन्होंने महिलाओं से आगे आकर देश और प्रदेश की सेवा करने की अपील की। जौनपुर की प्रीति पटेल ने कहा कि योगी सरकार में महिलाओं को समान अवसर मिल रहे हैं और भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है। गाजीपुर की श्रुति यादव ने

कहा कि उन्हें देश और प्रदेश की सेवा करने का मौका मिला है, यह उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी से सभी चयनित आरक्षियों का उत्साह कई गुना बढ़ गया है।

सीएम योगी के नेतृत्व में बढ़ा आत्मविश्वास

आरक्षी के पद पर चयनित काजल सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग का हिस्सा बनकर बेहद अच्छा लग रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और किसी से डर नहीं लगता। उन्होंने कहा कि सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनकर समाज को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। आरक्षी के पद पर चयनित आरती यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवा का अवसर मिलना सम्मान की बात है और वह अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगी।

उत्साहित दिखीं चयनित आरक्षी

आरक्षी पद पर चयनित मिजार्पुर की अर्चना गिरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शपथ लेना उनके जीवन का यादगार पल है। उन्होंने महिलाओं से आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। वहीं प्रियंका मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति ने सभी आरक्षियों में नई ऊर्जा भरने का काम किया है। वहीं आरक्षी अंजलि मौर्य भी चयनित होकर काफी उत्साहित नजर आईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएम योगी के कुशल नेतृत्व की वजह से प्रदेश की महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहीं हैं।

दिल्ली की गर्मी से लड़ने की पूरी तैयारी, सीएम रेखा गुप्ता का मास्टर प्लान तैयार

दिल्ली में हर साल गर्मियों के दौरान तापमान नए रिकॉर्ड छूता है। तेज धूप, लू और लंबे समय तक रहने वाली गर्म हवाएं आम लोगों की जिंदगी को मुश्किल बना देती हैं। ऐसे में राजधानी में 'हीटवेव एक्शन प्लान 2026 को लेकर सरकार की तैयारी चर्चा का विषय बनी हुई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में दिल्ली सरकार ने इस बार गर्मी को सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक सुरक्षा से जुड़ा बड़ा मुद्दा मानते हुए व्यापक योजना तैयार की है।

इस योजना का मकसद सिर्फ चेतावनी जारी करना नहीं, बल्कि गर्मी का असर बढ़ने से पहले हर जरूरी व्यवस्था को जमीन पर उतारना है। अस्पतालों से लेकर स्कूलों तक और सार्वजनिक स्थानों से लेकर श्रमिकों तक, हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए कई स्तरों पर तैयारी की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भीषण गर्मी के कारण बीमार होने वाले मरीजों के लिए इलाज में एक मिनट की भी देरी नहीं होनी चाहिए।

इसके लिए दिल्ली के 30 से अधिक बड़े अस्पतालों में विशेष 'कूल रूम' तैयार किए गए हैं। साथ ही, 330 एम्बुलेंस को हाई-अलर्ट मोड पर रखा गया है। इन एम्बुलेंस में केवल मरीज को ले जाने की सुविधा नहीं होगी, बल्कि हीटवेव के इलाज के लिए जरूरी सभी जीवन रक्षक उपकरण और दवाएं भी मौजूद रहेंगी।

बच्चों की सेहत को प्राथमिकता देते हुए दिल्ली के सभी स्कूलों में 'वॉटर बेल' सिस्टम लागू किया गया है। यह घंटी बच्चों को समय-समय पर पानी पीने की याद दिलाएगी। इसके अलावा, चिलचिलाती धूप में काम करने वाले निर्माण श्रमिकों के लिए काम के घंटों में बदलाव किया गया है।

'आप' ने राज्यसभा सांसदों की सदस्यता रद्द करने के लिए भेजी याचिका

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों के साथ गद्दारी करके भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा समेत सभी सांसदों की सदस्यता समाप्त करने के लिए राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति को अपनी याचिका भेज दी है। रविवार को यह जानकारी साझा करते हुए वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि संविधान के विशेषज्ञ भी मान रहे हैं कि आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में विलय करने वाले सभी सांसदों की सदस्यता जानी तय है।

सातों सांसदों ने न सिर्फ "आप" गद्दारी की है, बल्कि पंजाब के लोगों, लोकतंत्र और संविधान के साथ धोखा किया है। तोड़फोड़ के खेल में भाजपा माहिर है। भाजपा पहले ईडी-सीबीआई से विपक्ष के नेताओं को डराती है और फिर अपनी पार्टी में शामिल कर लेती है।

सबकी सदस्यता निश्चित रूप से समाप्त होगी

रविवार को "आप" मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि संविधान के ज्ञाताओं, देश के वरिष्ठ अधिवक्ता और संविधान विशेषज्ञ कपिल सिब्बल, पीडीटी आचार्य समेत तमाम लोगों ने यह साफ कर दिया है कि जिन सात लोगों ने आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में विलय करने का फैसला लिया है, उन सबकी सदस्यता निश्चित रूप से समाप्त होगी।

शनिवार को मीडिया बातचीत में एनडीए के घटक दल से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के एक अधिवक्ता ने भी स्पष्ट कहा कि इन नेताओं की सदस्यता तो हर हाल में जाएगी।

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति को भेजी गई याचिका

संजय सिंह ने आगे कहा कि सभी विशेषज्ञों से बातचीत करके और कपिल सिब्बल की राय लेकर मैंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति को एक याचिका भेजी है। इस याचिका में अनुरोध किया गया है कि संविधान की 10वीं अनुसूची के नियमों के मुताबिक इन सातों सदस्यों की सदस्यता पूरी तरह से समाप्त की जाए। मैंने उपराष्ट्रपति (सभापति) महोदय से मांग की है कि वे इसकी जल्द से जल्द सुनवाई करें और अपनी ओर से एक न्यायपूर्ण फैसला दें।

संजय सिंह बोले- "यह लोकतंत्र के साथ बड़ा धोखा है"

संजय सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई इसलिए जरूरी है क्योंकि जब कोई नेता एक पार्टी से चुनकर आता है तो उसके बाद ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके उसे तोड़ा जाता है और इस खेल में माहिर भाजपा उसे अपने दल में मिला लेती है, जो पूरी तरह गलत है। यह लोकतंत्र के साथ बड़ा धोखा है। यह पंजाब के लोगों के साथ भी धोखा और गद्दारी है। इसके साथ ही यह देश के संविधान के साथ एक धोखा और उसका खुला मजाक उड़ाने की कार्रवाई है।

"मतभेद है तो इस्तीफा देना चाहिए"

संजय सिंह ने आगे कहा कि यदि कोई व्यक्ति एक दल से चुना गया है और उसे कोई मतभेद है, तो उसे उस दल से इस्तीफा देना चाहिए और जहां उसकी विचारधारा मिलती हो वहां जाना चाहिए। लेकिन जो लोग उसी पार्टी के विधायकों द्वारा चुने गए हैं, वे आज उसी पार्टी को बुरा-भला कह रहे हैं। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद और भरोसा है कि सभापति इस याचिका पर जल्द फैसला देकर इन लोगों की सदस्यता रद्द करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों को समझाया नये उत्तर प्रदेश का मतलब, भरोसा देते हुए 17 फार्मा कंपनियों को दिया एलओसी

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की औद्योगिक रफ्तार को गति देने के क्रम में रविवार को 17 फॉर्मा कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) प्रदान किया। इनमें से अधिकांश कंपनियों ने बीते दिनों लखनऊ में हुए फॉर्मा कॉन्क्लेव में भाग लिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में फॉर्मा कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान करने के साथ निवेशकों को सफलतम निवेश की शुभकामना दी और कहा कि आज का दिन प्रदेश के औद्योगिक व स्वास्थ्य सेवा के लिए ऐतिहासिक पड़ाव है।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश में सेफ्टी, स्टेबिलिटी व स्पीड की गारंटी है। प्रदेश अब ट्रस्ट व टाइमली डिलीवरी के लिए पहचाना जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश हर रिलायबल पॉलिसी पार्टनर के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में नए भारत का दर्शन हो रहा है।

स्किल्ड/अनस्किल्ड युवाओं को रोजगार

देश की अर्थव्यवस्था ने नई

ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। हम 200 देशों को सस्ती व गुणवत्तापरक दवाइयां उपलब्ध करा रहे हैं। फॉर्मा कॉन्क्लेव ने ग्लोबल हेल्थटेक के मैप पर उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि आपका निवेश केवल फॉर्मा/मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता के विश्वास के साथ जुड़ा है। लगभग 2000 करोड़ का निवेश रिसर्च एवं डवलपमेंट में उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायता करेगा। इस निवेश से उत्तर प्रदेश के 10 हजार से अधिक स्किल्ड/अनस्किल्ड युवाओं को रोजगार मिलेगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम धरातल पर दिखाई दे रहा है। यूपी में निवेश से नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। नौ वर्ष में सरकार की स्पष्ट नीति व साफ नीयत के कारण उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से निकलकर देश का ग्रोथ इंजन बना है। यूपी का जीएसडीपी बढ़कर 36 लाख करोड़ हो गया है।

यूपी बड़ा मार्केट, माहौल उद्योगों के अनुकूल

उन्होंने निवेशकों से कहा कि यूपी बड़ा मार्केट है। यहां का माहौल उद्योगों के अनुकूल है। यहां पर्याप्त लैंडबैंक है। यूपी में हर सेक्टर में कार्य करने वाला वर्कफोर्स उपलब्ध है। यहां का 56 फीसदी वर्कफोर्स युवा है। इन युवाओं को स्किल, इनोवेशन व टेक्नोलॉजी से जोड़कर मार्केट की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। प्रदेश में वर्तमान में 21 हजार से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं।

विकास की पहली शर्त कानून व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि विकास की पहली शर्त कानून व्यवस्था है। 2017 के पश्चात यूपी की सुदृढ़ कानून व्यवस्था से देश-दुनिया परिचित है। प्रदेश अब पॉलिसी पैरालिसिस से निकलकर पॉलिसी स्टेबिलिटी तक पहुंच गया है। यहां 34 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसी है। निवेश मित्र, निवेश सारथी, उद्यमी मित्र उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद यूपी में आए बदलावों से भी अवगत कराया। कहा कि 2017 में यूपी में 14 हजार कारखाने थे, जो आज बढ़कर 32 हजार हो गए हैं। इनसे व्यापक रोजगार सृजन हुआ है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने जा रहे युवक की मौत, बाइक डिवाइडर से टकराई; साथी चचेरा भाई घायल

लखनऊ, (जीएनएस)।

निगोहां में होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई घायल हो गया। बाइक डिवाइडर से टकरा गई थी। मृतक परिवार का इकलौता बेटा था। बहन की शादी के अगले दिन हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

निगोहां भगवानपुर गांव के पास रविवार की सुबह सड़क हादसे में होमगार्ड भर्ती की परीक्षा देने जा रहे बाराबंकी फतेहपुर के गौरा करौंदी गांव निवासी अनुभव सिंह 28 की मौत हो गई। जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों बाइक से जा रहे थे और उनकी तेज रफ्तार बाइक सीधे डिवाइडर में जा घुसी।

एसओ निगोहां अनुज तिवारी ने बताया कि अनुभव सिंह चचेरे भाई कुलदीप सिंह के साथ बाइक से रायबरेली में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा देने के लिए रविवार सुबह घर से बाइक से निकले थे। बाइक अनुभव चला रहे थे। दोनों जब निगोहां के भगवानपुर गांव के पास पहुंचे,उसी दौरान तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

हादसे में अनुभव सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुलदीप सिंह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल कुलदीप को उपचार के लिए सीएचसी मोहनलालगंज भेजा और अनुभव के परिजनों को खबर दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने अनुभव के शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया। इस पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर शव को बिना पोस्टमॉर्टम के ही उनके हवाले कर दिया।

हेलमेट होती तो बच सकती थी जान

एसओ अनुज तिवारी ने बताया कि बाइक चल रहे अनुभव ने हेलमेट नहीं पहनी थी। सिर पर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अगर वह हेलमेट पहने होते तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

आज होनी थी बहन की विदाई, घर में मचा कोहराम

अनुभव के परिवार में पिता राजेश सिंह, मां शीला देवी और दो बहनें आकांक्षा व प्रिया हैं। मौके पर रोते बिलखते पहुंचे परिजनों ने बताया कि शनिवार को आकांक्षा की शादी हुई थी। रविवार को विदाई होनी थी। इकलौते बेटे अनुभव ने शादी ने सारी जिम्मेदारियां उठाई थीं। उनकी मौत की खबर घर पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के खिलाफ लड़ रहे विधानसभा चुनाव सुवेंदु अधिकारी, भाजपा जीती तो बन सकते हैं सीएम

(जीएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण में बंपर वोटिंग हुई और अभी दूसरे चरण की वोटिंग बाकी है। दूसरे चरण की वोटिंग से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखे वार करते हुए दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बंगाल की जनता ने 'दीदी का सूपड़ा साफ' कर दिया है, जिससे भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल चुका है।

अमित शाह ने बंगाल में 152 में से 110 सीटें जीतने का दावा किया और कहा कि भाजपा की सरकार प्रचंड बहुमत से बनेगी। उन्होंने कहा, "दीदी जाने वाली हैं, बीजेपी आने वाली है। अमित शाह ने साफ कहा, "बंगाल का अगला मुख्यमंत्री बंगाली होगा, बंगाल की धरती पर जन्मा होगा, बंगाली बोलेगा। बस फर्क इतना होगा कि वह टीएमसी का नहीं, बीजेपी का कार्यकर्ता होगा।"

हालांकि अमित शाह ने सीधे सुवेंदु अधिकारी का नाम नहीं लिया लेकिन ये बात तय है कि भाजपा की अगर बंगाल में सरकार बनती है तो सुवेंद्र अधिकारी ही मुख्‍ यमंत्री पद के प्रबल उम्‍ मीदवार होंगे। आइए जानते हैं सुवेंदु अधिकारी की जाति, परिवार के बारे में साथ ही जानते हैं इनका अब तक का राजनीतिक सफर

लड़ रहे ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव

सुवेंदु पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता का अहम पद संभाल रहे हैं। भाजपा में आने से पहले, वे अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे और उन्होंने राज्य की राजनीति में एक लंबा सफर तय किया है।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा नंदीग्राम विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं।

सुवेंदु अधिकारी का जन्म पश्चिम बंगाल के पूर्ब मेदिनीपुर जिले के कोंटाई में 15 दिसंबर 1970 को एक राजनीतिक घराने में हुआ था। उनके पिता, अनुभवी राजनेता शिशिर अधिकारी, केंद्रीय मंत्री के तौर पर सेवा दे चुके हैं, जबकि उनकी माता का नाम गायत्री अधिकारी है। उनके

भाई दिब्येंदु अधिकारी और सौमेंदु अधिकारी दोनों ही राजनीति में सक्रिय हैं। यह परिवार पश्चिम बंगाल की राजनीति में अपनी गहरी पैठ रखता है।

सुवेंदु अधिकारी हिंदू धर्म का पालन करते हैं और चुनावी हलफनामे के अनुसार सुवेंदु सामान्‍ य कैटेगरी में आते हैं। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर (ढ४१ु ट्यिल्लिस्र४१) जिले के प्रमुख 'अधिकारी' परिवार से आने वाले सुवेंदु प्रभावशाली महिष्य समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रमुख 'खेतिहर' और 'भूमि-अधिकारी' समुदाय के नेता के रूप में इनकी पहचान है। उनके पिता सिसिर अधिकारी भी इसी क्षेत्र से एक वरिष्ठ नेता रहे हैं।

हालांकि सुवेंदु अधिकारी ने 2020 में एक कार्यक्रम में अपनी पहचान "ब्राह्मण" परिवार के रूप में भी बताई थी, एक समय शुभेंदु अधिकारी स्वयं तृणमूल के प्रतिनिधि के रूप में सनातन ब्राह्मण ट्रस्ट का कामकाज संभालते थे। टीएमसी छोड़ने के बाद सुवेंदु ने जब भाजपा ज्‍ वाइन की थी तब राज्य के सनातन ब्राह्मण ट्रस्ट से उन्‍ हें हटा दिया गया था। लेकिन क्षेत्रीय और सामाजिक रूप से उनका परिवार पूर्वी मेदिनीपुर के प्रभावशाली महिष्य वर्ग का हिस्सा माना जाता है।

सुवेंदु अधिकारी ने न्यू बैरकपुर स्थित आचार्य प्रफुल्ल चंद्र कॉलेज से अपनी बैचलर ऑफ आर्ट्स (बी.ए.) की डिग्री प्राप्त की थी। इसके उपरांत, उन्होंने कोलकाता के प्रतिष्ठित रवींद्र भारती विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी की।

सुवेंदु अधिकारी का राजनीतिक करियर

सुवेंदु अधिकारी अप्रैल 2026 में भवानीपुर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। वर्तमान में, वे भाजपा के वरिष्ठ नेता, नंदीग्राम के विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। 2024 में, उन्होंने भाजपा टिकट पर कांथी सीट से चुनाव लड़ा पर लेकिन चुनाव हार गए।

वर्ष 2021 में, अधिकारी ने अपने गढ़ नंदीग्राम से भाजपा प्रत्याशी के तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया। इस निर्णायक जीत के बाद वे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता बने। इससे कुछ माह पूर्व, 2020 में, उन्होंने ममता बनर्जी के खिलाफ विद्रोह कर तृणमूल कांग्रेस छोड़ी और भाजपा में शामिल हुए।

सुवेंदु अधिकारी ने अपनी राजनीतिक यात्रा छात्र राजनीति से शुरू की, जब वे कोंटाई प्रत्तापनारायण विद्यामंदिर में अध्ययनरत थे। उन्होंने मिदनापुर में युवा कांग्रेस में सक्रिय भूमिका निभाई।

1998 में ममता बनर्जी के साथ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संस्थापक सदस्यों में से एक बने, जिससे उनके राजनीतिक करियर को एक नई दिशा मिली।

अधिकारी ने 2006 से 2009 तक कंठी दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से विधायक (एमएलए) के रूप में कार्य किया। इसके बाद, उन्होंने 2009 से 2021 तक नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

2014 से 2016 तक, वे तमलुक निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य (एमपी) भी रहे। टीएमसी में रहते हुए, उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार में परिवहन मंत्री और जल संसाधन अन्वेषण एवं विकास मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले, जिससे उनकी प्रशासनिक क्षमता उजागर हुई।

19 दिसंबर 2020 में सुवेंदु अधिकारी ने ममता बजर्नी को झटका देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घोषणा की।

सुवेंदु अधिकारी से जुड़े विवाद

हालांकि, सुवेंदु अधिकारी का राजनीतिक सफर कुछ विवादों से अछूता नहीं रहा। उनका नाम सारदा घोटाला और नारदा स्टिंग ऑपरेशन जैसे मामलों में भी सामने आया है, जिन्होंने राज्य की राजनीति में काफी हलचल मचाई थी। इन विवादों के बावजूद, उन्होंने अपनी राजनीतिक उपस्थिति और प्रभाव को बनाए रखा है।

मानवीय संवेदनाओं के पयार्यी काव्य संग्रह 'बक्से का कोट' का मुंबई में हुआ भव्य विमोचन

मुंबई, 26 अप्रैल। माननीय राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अमरीश सिन्हा की नवीनतम पुस्तक 'बक्से का कोट' का गरिमामय लोकार्पण शनिवार, 25 अप्रैल, 2026 को मुंबई के मरीन लाइन्स स्थित वेस्ट एंड होटल में आयोजित सुरुचिपूर्ण समारोह में सम्पन्न हुआ।

सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए जानी जाने वाली संस्था 'धरोहर' के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह में महाराष्ट्र सरकार के माननीय कौशल, रोजगार तथा उद्यमिता मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने पुस्तक का विमोचन करते हुए डॉ. सिन्हा को उनकी सृजन यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएॅं दीं। उन्होंने कहा कि काव्य संग्रह का लोकार्पण तब सार्थक होता है, जब कवि लोकार्पित पुस्तक से कविता का पाठ करे। उनके अनुरोध पर डॉ. अमरीश सिन्हा ने शीर्षक कविता 'बक्से का कोट' का पाठ करके श्रोताओं को भावुक कर दिया। कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा लोकप्रिय साहित्यकार संतोष कुमार झा ने कहा कि डॉ. सिन्हा की कविताओं में भाव इतने गहरे होते हैं कि उनका पाठ धीरे-धीरे ही किया जा सकता है। इससे श्रोता को गहरे पानी पैठ की संवेदनात्मक अनुभूति होती है। उन्होंने पुस्तक से तीन कविताओं का पाठ कर तथा कवि के प्रति अपने उद्गार व्यक्त कर सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। वरिष्ठ लेखक एवं महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष डॉ दामोदर खड़से ने डॉ. सिन्हा की कविताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इनकी कविताओं में जीवन यात्रा के चित्र उभरते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि डॉ. अमरीश सिन्हा से जो शख़्स एक बार जुड़ता है, वह सदा के लिए इनसे जुड़ जाता है। वरिष्ठ लेखक और साहित्य अकादमी, दिल्ली की पत्रिका के सम्पादक डॉ. बलराम ने अपने अनोखे व बेलाग अंदाज में सभा को सम्बोधित किया। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी के पूर्व चेयरमैन मिलिंद खरात ने डॉ. सिन्हा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। न्यू इंडिया एश्योरेंस के पूर्व महाप्रबंधक के एस रामकुमार ने कहा कि डॉ. अमरीश सिन्हा ने हिंदी भाषा को व्यवसाय से जोड़ा है और हिंदी साहित्य के माध्यम से बीमा व्यवसाय का सफल संचालन कर रहे हैं। यह उल्लेखनीय और अनुकरणीय है। मशहूर अभिनेता और फि ल्म निर्देशक डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा कि हृदय में जब पीड़ा की अनुभूति होती है तो कविता का जन्म होता है। 'धरोहर' संस्था के अध्यक्ष, लेखक तथा वरिष्ठ एडवोकेट दीनानाथ तिवारी ने बताया कि वर्ष 1996 में स्थापित 'धरोहर' संस्था प्रभावी ढंग से सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों का नियमित रूप से संचालन कर रही है। उन्होंने संस्था की विकास यात्रा एवं अपने अनुभव के बारे में उपस्थित श्रोता-समूह को रोचक तरीके से अवगत कराया। 'धरोहर' संस्था की ओर से कई मनीषियों को इस अवसर पर शॉल, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। सभागार में महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में लेखक, पत्रकार एवं बुद्धिजीवी पधारे। इनमें के जी के कुरूप, डॉ के के मेहता, मुंबई अक्वा लाइन मेट्रो रेल के कार्यकारी निदेशक मो. आसिम सुलेमान, पूर्व आईएएस अधिकारी और वरिष्ठ लेखक सेवक नैयर, एड. राहुल तिवारी, एड. तृप्ति तिवारी, एड. आकांक्षा, मुकेश गौतम, आनंद प्रकाश सिंह, गजानन महतपुरकर, सदानंद चितले, प्रिया पोकले, श्रेया काकड़े, सतीश धुरी, सीताराम दुबे, प्रसाद सामंत, नितिन नाइक, रोमा बिस्वास, डॉ आरती जड़िया, दीप्ति सोनी, राजेश सिन्हा, तथ्या तिवारी, रेणु सिन्हा, किरण जैसवार, रीमा राय सिंह, कनक लता तिवारी, रोशनी किरण, विजया मगर, आलोक शंकर, रंजू कुमारी, सोनल, तूलिका, मोनिका सिन्हा, अपूर्व देसाई, शुभम श्रीवास्तव, प्रकाशक विकास शर्मा, मधु सावंत और भारत अडसुले आदि मुख्य रूप से सम्मिलित रहे। करीब दो घंटे चले इस भव्य कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्र गान, दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, एवं महाराष्ट्र राज्य गीत से हुआ। जाने-माने मंच प्रस्तोता एवं कवि प्रिंस ग्रोवर ने अपने अनूठे अंदाज में समारोह का मंच संचालन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री श्रीमती ममता बनर्जी द्वारा चुनावी रैली में 'चमार' शब्द के अपमानजनक प्रयोग पर राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया

नई दिल्ली, 26 अप्रैल 2026

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर स्वतः संज्ञान लिया है कि एक चुनावी रैली के दौरान टीएमसी की ममता बनर्जी ने खुलेआम अपमानजनक शब्द "चमार" का इस्तेमाल कर अनुसूचित जाति का अपमान किया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने ऐसी अपमानजनक टिप्पणी पर कार्यवाही करने के सख्त निर्देश देते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। ममता बनर्जी की यह टिप्पणी न केवल शर्मनाक है, बल्कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(२) के तहत दंडनीय अपराध है।

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री किशोर मकवाना ने स्पष्ट कहा है कि आयोग अनुसूचित जातियों के संवैधानिक अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी स्तर पर जातिगत अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस मामले में आयोग ने आज पश्चिम बंगाल राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। नोटिस में तीन दिनों के भीतर विस्तृत जानकारी मांगी गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति पर लगातार अत्याचार और हिंसा बढ़ रही है ऐसे में एक मुख्यमंत्री द्वारा ऐसी टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है।

माननीय अध्यक्ष श्री किशोर मकवाना के नेतृत्व में आयोग इस मामले की पूरी निगरानी कर रहा है और राज्य सरकार से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगे की उचित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

बता दें कि 23 अप्रैल 2026 को कोलकाता के चौरंगी में एक चुनावी रैली के दौरान टीएमसी उम्मीदवार के समर्थन में भाषण देते हुए ममता बनर्जी ने अपनी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की व्याख्या करते हुए जनबाजार में चमार शब्द का इस्तेमाल किया था।

योगी सरकार के लिए खतरे की घंटी? सर्वे में यूपी के 33 मंत्रियों से जनता नाराज, सिर्फ 3 को दोबारा टिकट की उम्मीद

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता बरकरार है और गोरखपुर में उन्हें भारी समर्थन मिला है. सर्वे में यह भी सामने आया कि कई सीटों पर मंत्री चेहरों के खिलाफ माहौल है.

उत्तर प्रदेश की राजनीति में क्या जनता का मूड बदल रहा है? दैनिक भास्कर द्वारा किए गए राज्य के सबसे बड़े सर्वे के नतीजे तो कुछ ऐसा ही इशारा कर रहे हैं. सर्वे के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार के 40 में से 33 मंत्रियों को जनता दोबारा विधायक के रूप में नहीं देखना चाहती. चौंकाने वाली बात यह है कि केवल 3 मंत्री ही ऐसे हैं, जिन्हें जनता ने दोबारा चुनाव मैदान में उतारने के लिए 'हां' कहा है, जबकि 3 अन्य मंत्रियों पर जनता किसी स्पष्ट राय तक नहीं पहुंच सकी.

व्यवहार और कामकाज बना मंत्रियों की कमजोरी

सर्वे में जनता ने न केवल अपनी पसंद बताई, बल्कि नापसंद करने की ठोस वजह भी गिनाई. 4 मंत्रियों को जनता ने उनके खराब व्यवहार के चलते पूरी तरह नकार दिया है. इनमें शामिल हैं: सूर्य प्रताप शाही (कृषि मंत्री), सोमेंद्र तोमर (स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री), मनोहर लाल 'मन्नू कोरी' (राज्य मंत्री), दिनेश खटिक (राज्य मंत्री)योगी कैबिनेट में कुल 54 मंत्री हैं, जिनमें से 14 एमएलसी हैं.

गरीबों के लिए वरदान बनी 'मुख्यमंत्री सेहत योजना', बठिंडा में समय से पहले जन्मी बच्ची को मिला नया जीवन

(जीएनएस)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा शुरू किए गए सेहत योजना एक गरीब परिवार के लिए वरदान साबित हुई। समय से पहले जन्मी एक नन्हीं बच्ची, जिसका वजन बेहद कम था और जिसे सांस लेने में तकलीफ थी, आज इस योजना की बदौलत सुरक्षित है।

यह सिर्फ एक इलाज की खबर नहीं, बल्कि उन माता-पिता की उम्मीदों की जीत है जो महंगे अस्पतालों का खर्च उठाने में असमर्थ थे। सरकार की इस कैशलेस सुविधा ने डॉक्टरों को पैसों की चिंता किए बिना केवल जान बचाने पर ध्यान देने की ताकत दी।

समय से पहले जन्म की चुनौती

बठिंडा के रामपुरा फूल में रेशम सिंह के घर एक बेटी ने जन्म लिया, लेकिन खुशियों से पहले चिंता की लहर दौड़ गई। बच्ची का जन्म समय से काफी पहले (33 सप्ताह में) हो गया था और उसका वजन मात्र 1.926 किलोग्राम था। जन्म के तुरंत बाद उसे सांस लेने में भारी दिक्कत हो रही थी। ऐसे नाजुक समय में एक-एक सेकंड कीमती था और बच्ची को तुरंत एडवांस लाइफ सपोर्ट की जरूरत थी।

NICU में 17 दिनों का संघर्ष

डॉ. सुरिंदर अग्रवाल की देखरेख में बच्ची को तुरंत एनआईसीयू (NICU) में भर्ती किया गया। उसके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं थे, इसलिए उसे 10 दिनों तक सीपैक (CPAP) मशीन और फिर 4 दिनों तक ऑक्सीजन पर रखा गया। इस दौरान उसे पीलिया भी हो गया, जिसका इलाज फोटोथेरेपी से किया गया। डॉक्टरों की टीम और मशीनों ने

मिलकर वह काम किया जो बच्ची का छोटा सा शरीर खुद नहीं कर पा रहा था।

मुख्यमंत्री सेहत योजना का सहारा

इस पूरे इलाज में सबसे बड़ी राहत 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' बनी। गरीब परिवार के पास प्राइवेट अस्पताल के भारी-भरकम बिल चुकाने के पैसे नहीं थे, लेकिन इस योजना के तहत बच्ची का पूरा इलाज बिल्कुल मुफ्त (कैशलेस) हुआ। इसने परिवार के सिर से आर्थिक बोझ हटा दिया और डॉक्टरों को भी बिना किसी देरी के बेहतरीन तकनीक और दवाइयों का इस्तेमाल करने की पूरी छूट मिल गई।

ये भी पढें; 'भाजपा का वॉशिंग मशीन मॉडल पंजाब में कभी सफल नहीं होगा' , इखढ पर भड़के गुरमीत सिंह

खामोशी से जीत तक का सफर

अस्पताल में 17 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद बच्ची की हालत में सुधार होने लगा। उसकी सांसें सामान्य हुईं और शरीर में हरकत बढ़ी। जब उसे अस्पताल से छुट्टी मिली, तो उसका वजन बढ़कर 2.106 किलोग्राम हो चुका था। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि एनआईसीयू में सुधार धीरे-धीरे आता है, और सही समय पर मिला मुफ्त इलाज इस बच्ची की जान बचाने में सबसे अहम साबित हुआ।

मुंबई के डोंगरी का सलीम दादा कैसे बना दाउद के ₹252 करोड़ का ड्रग किंगपिन? इस्तांबुल में दबोचा गया

(जीएनएस)।

तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई में दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी और कुख्यात ड्रग सरगना सलीम डोला (59) गिरफ्तार हो गया। तुर्की की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी (टक्ळ) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने उसे दबोचा है।

सलीम डोला लंबे समय से भारत की कई एजेंसियों की नजर में था और इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस भी उसके खिलाफ जारी था। अब उसे भारत प्रत्यर्पित करने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

सलीम डोला कौन है? डोंगरी से दाऊद गैंग तक का सफर

मुंबई के डोंगरी इलाके का रहने वाला सलीम डोला द-कंपनी के ड्रग सिंडिकेट का अहम कड़ी माना जाता है। 2015-16 में वह भारत से फरार हो गया था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट (NDPC Act) के तहत 8 से 10 गंभीर मामले दर्ज हैं। ये मामले कमर्शियल मात्रा में सिंथेटिक ड्रग्स (खासकर मेफेड्रोन या टऊ) की तस्करी, निर्माण और सप्लाई से जुड़े हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, सलीम डोला भारत-मध्य पूर्व तक फैले अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को संचालित करता था। वह हवाला लेन-देन, फर्जी यात्रा दस्तावेज और जाली वअए आईडी का इस्तेमाल करके अपनी पहचान छिपाए हुए था। उसका नेटवर्क कृत्रिम दवाओं (सिंथेटिक ड्रग्स) के निर्माण, तस्करी और वितरण में सक्रिय था।

252 करोड़ का मुंबई-सांगली ड्रग केस, कैसे जुड़ा सलीम डोला?

इस गिरफ्तारी की जड़ मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल की उस बड़ी जांच में है, जिसमें 252 करोड़ रुपये से ज्यादा का मेफेड्रोन जब्त हुआ था।

15 फरवरी 2024: सायाजी पगारे चॉल के पास एक महिला कूरियर को 641 ग्राम टऊ 12.2 लाख नकद, सोने के जेवरात और मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उसने दुबई स्थित सलीम डोला, उसके सहयोगी मोहम्मद सलीम सोहेल शेख उर्फ लाविश (29) और साजिद मोहम्मद आसिफ शेख उर्फ डैब्स का नाम लिया।

इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच

सलीम डोला (बीच में) और उसका बेटा ताहिर डोला (दाएं), भांजा मुस्तफा कुब्बावाला (बाएं)।

और सांगली पुलिस ने सांगली जिले के कावठे महांकाल तालुका के इरती गांव में छापा मारा।

123 किलो मेफेड्रोन (कुल 126 किलो तक रिपोर्ट), लैब उपकरण (ओवन, मिक्सर, फिल्ट्रेशन यूनिट) जब्त हुए। सलीम डोला का बेटा ताहिर सलीम डोला (30) भी इसी केस में नाम आने के बाद जून 2025 में वअए से डिपोर्ट होकर भारत आया था। वहीं, 11 जुलाई 2025 को सलीम डोडा के भांजे मुस्तफा कुब्बावाला को संयुक्त अरब अमीरात (वअए) से गिरफ्तार कर भारत लाया है। लाविश को भी दुबई से डिपोर्ट कर गिरफ्तार किया गया था।

क्या हैं आगे के मायने?

तुर्की में सलीम डोला की गिरफ्तारी को दाऊद इब्राहिम के ड्रग सिंडिकेट पर करारा झटका माना जा रहा है। भारतीय एजेंसियां (ठउइ, मुंबई पुलिस, उइक) अब उसे भारत लाकर मुकदमा चलाने की तैयारी में हैं। ठऊढर एक्ट के तहत सजा न्यूनतम 10 साल की है और जमानत मिलना बेहद मुश्किल।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि लाविश की पूछताछ में कुछ बॉलीवुड हस्तियों (श्रद्धा-सिद्धांत कपूर, नोरा फतेही, ओररी, अब्बास-मस्तान आदि) के नाम आए थे, लेकिन उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला। इसलिए चार्जशीट में इन नामों को शामिल नहीं किया जाएगा।

यह गिरफ्तारी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क की बड़ी सफलता है। सलीम डोला जैसे किंगपिन पकड़े जाने से द-कंपनी की कमर टूटने वाली है। अब देखना होगा कि प्रत्यर्पण कितनी जल्दी होता है और आगे और कितने बड़े खुलासे होते हैं। आप क्या सोचते हैं? दाऊद गैंग पर ऐसे लगातार वार कितने असरदार साबित होंगे? कमेंट में जरूर बताएं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

आप के दो तिहाई सांसदों का दल-बदल

राघव का घातक वार और सात सांसदों की बगावत से डगमगाया 'आप' का राज्यसभा किला, भारतीय राजनीति का यह शुक्रवार आम आदमी पाटा के इतिहास में हमेशा एक ऐसे मोड़ के रूप में याद किया जाएगा, जहां से वापसी का रास्ता बहुत धुंधला नजर आता है। राघव का घातक वार और सात सांसदों की बगावत से डगमगाया 'आप' का राज्यसभा किला भारतीय राजनीति के फलक पर 2 अप्रैल 2026 को जो चिंगारी सुलगनी शुरू हुई थी, उसने 22 दिनों के भीतर एक ऐसी सियासी आग का रूप ले लिया है जिसमें अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पाटा का राज्यसभा वाला किला लगभग ढह चुका है। यह महज कुछ सांसदों का दल-बदल नहीं है, बल्कि उस भरोसे और विचारधारा की सामूहिक हत्या है, जिसके दम पर एक दशक पहले अन्ना आंदोलन की कोख से यह पाटा जन्मी थी। राज्यसभा में पाटा के डिप्टी लीडर रहे राघव चड्ढा की अगुवाई में सात सांसदों का एक साथ पाला बदलना दिल्ली से लेकर पंजाब तक की सियासत में वो भूचंप है, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता आने वाले कई सालों तक महसूस की जाएगी। मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं और मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझना जैसे फिल्मी लगने वाले राघव के संवादों ने शुक्रवार को तब हकीकत का जामा पहन लिया, जब उन्होंने संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा का दामन थामने का एलान किया। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में किसी भी क्षेत्रीय दल के लिए संभवतः सबसे बड़ा और संगठित विद्रोह है। इस पूरे घटनाक्रम की पटकथा उस दिन लिख दी गई थी जब राघव चड्ढा को अचानक राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटा दिया गया था। पाटा ने अंदरूनी तौर पर उन पर निष्क्रियता और गतिविधियों से दूरी बनाने के आरोप मढ़े थे, लेकिन राघव के तेवर बता रहे थे कि वे किसी बड़े ऑपरेशन की तैयारी में हैं। गौर करने वाली बात यह है कि इस बगावत में संदीप पाठक का नाम शामिल होना केजरीवाल के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत झटका है। पाठक वही शख्स हैं जिन्हें आप का चाणक्य कहा जाता था, जिन्होंने पंजाब की सत्ता की चाबी केजरीवाल के हाथ में सौंपी और पाटा को राष्ट्रीय दल का दर्जा दिलाने के लिए पर्दे के पीछे से संगठन की मशीनरी तैयार की। जब संगठन का वास्तुकार ही इमारत ढहाने पर आमादा हो जाए, तो नेतृत्व की विफलता पर सवाल उठना लाजिमी है। इसके साथ ही स्वाति मालीवाल की भूमिका ने इस आग में घी का काम किया है। विभव कुमार मामले के बाद जिस तरह स्वाति को अपनी ही पाटा में अपमान और अलगाव का सामना करना पड़ा, उन्होंने उसे अपनी निजी अदावत बना लिया। आज जब वे राघव के साथ सुर में सुर मिला रही हैं तो यह साफ है कि आप के भीतर महिलाओं के सम्मान और आंतरिक लोकतंत्र को लेकर जो दावे किए जाते थे, उनकी कलई खुल चुकी है। तकनीकी तौर पर देखें तो यह बगावत बहुत ही सधे हुए कानूनी दांव-पेच के साथ की गई है। राज्यसभा में आप के कुल 10 सांसद थे, जिनमें से 7 का एक साथ अलग होना दल-बदल विरोधी कानून (एन्टी डिफेक्शन लॉ) के तहत अयोग्यता की तलवार को कुंद कर देता है। दोतिहाई की यह संख्या राघव चड्ढा की उस रणनीतिक कुशलता को दर्शाती है, जिसका लोहा कभी खुद केजरीवाल मानते थे। राघव का यह कहना कि वे गलत पाटा में सही व्यक्ति थे, न केवल केजरीवाल के नेतृत्व पर सीधा प्रहार है, बल्कि उन लाखों कार्यकताओं के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है जो भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग का सपना लेकर इस पाटा से जुड़े थे। जिस पाटा ने 15 साल तक संघर्ष किया, उसका इस तरह ताश के पत्तों की तरह बिखरना यह बताता है कि सत्ता के गलियारों में पहुंचते ही आम और खास की लकीर धुंधली पड़ गई। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे नेतृत्व और जेल से सरकार चलाने की जिद ने शायद उन नेताओं को भी सोचने पर मजबूर कर दिया जो कभी अब तक वफादारी का दम भर रहे थे। पंजाब की सियासत के लिहाज से यह घटनाक्रम किसी सुनामी से कम नहीं है। बागी होने वाले सात में से छह सांसद पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिए यह स्थिति बेहद असहज है, क्योंकि राघव चड्ढा को कभी पंजाब सरकार का रिमोट कंट्रोल कहा जाता था। मान और चड्ढा के बीच का शीतयुद्ध जगजाहिर था, लेकिन अब यह आमने-सामने की जंग में बदल चुका है। भाजपा ने इन चेहरों को अपने पाले में कर न केवल राज्यसभा में अपनी ताकत 148 तक पहुंचा दी है, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भी एक मजबूत बिसात बिछा दी है। भाजपा, जो पंजाब में लंबे समय से एक मजबूत सिख चेहरे और संगठन की तलाश में थी, उसे अब हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और विक्रमजीत सिंह साहनी जैसे रसूखदार लोगों का साथ मिल गया है। यह मिशन पंजाब की वो शुरूआत है जिसने अरविंद केजरीवाल के राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को फिलहाल दिल्ली और पंजाब की सीमाओं में ही कैद कर दिया है। संजय सिंह और अन्य आप नेता इसे ऑपरेशन लोटस और केंद्रीय एजेंसियों का डर बताकर जनता की सहानुभूति बटोरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केवल डर के दम पर इतने बड़े स्तर पर बगावत संभव है? अन्ना हजारे की उस टिप्पणी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जिसमें उन्होंने कहा कि जब स्वार्थ समाज और देश से ऊपर हो जाता है, तो संगठन टूट जाते हैं। यह केजरीवाल की उस कार्यशैली का भी परिणाम है जिसमें उन्होंने धीरे-धीरे उन सभी पुराने चेहरों को किनारे कर दिया जिन्होंने उनके साथ धूल फांकी थी। योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, कुमार विश्वास और अब राघव-संदीप की यह पेशरिस्त बताती है कि पाटा में असहमति के लिए कोई जगह नहीं बची है। स्वाति मालीवाल का यह आरोप कि उन्हें मुख्यमंत्री के घर पर पीटा गया और फिर उन्हें ही बदनाम करने की कोशिश की गई, पाटा की नैतिक साख पर वो धब्बा है जो शायद ही कभी धुल पाए। राज्यसभा सचिवालय में अब कानूनी लड़ाई शुरू होगी, सदस्यता रद्द करने की याचिकाएं डाली जाएंगी और मामला कोर्ट तक जाएगा। लेकिन राजनीति में जो धारणा (परसेप्शन) एक बार बन जाती है, उसे बदलना मुश्किल होता है। जनता के बीच अब यह संदेश जा चुका है कि जो पाटा दूसरों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट बांटती थी, उसके अपने घर में ही भारी अविश्वास का माहौल है। गुजरात निकाय चुनाव से ठीक पहले पाटा के सोशल मीडिया पेजों का सस्पेंड होना और सांसदों का सामूहिक पलायन, आप के लिए किसी परफेक्ट स्टॉर्म जैसा है।

टीएमसी के 'मांस-मछली प्रतिबंध' वाले दावों के बीच पीएम मोदी ने कालीबाड़ी के किए दर्शन, जहां चढ़ता है नॉनवेज प्रसाद

(जीएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के ऐतिहासिक थंथानिया कालीबाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। अपनी अनोखी मांसाहारी भोग परंपरा के लिए प्रसिद्ध इस मंदिर का दौरा राज्य में भोजन संस्कृति पर चल रही राजनीतिक बहस के बीच हुआ।

पीएम मोदी ने उत्तर कोलकाता में अपने रोड शो से पूर्व रविवार को मंदिर के दर्शन किए। पश्चिम बंगाल में मांसाहारी भोजन पर जारी राजनीतिक गरमागरमी के कारण यह यात्रा महत्वपूर्ण रही। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में आने पर राज्य की भोजन संस्कृति में हस्तक्षेप कर सकती है।

ढट ट्ड्ड्र्ड्ड्ड ड्ड्ड्र्ड्ड्ड्र

टीएमसी ने क्या किया था दावा?

टीएमसी नेताओं ने बिहार और गुजरात जैसे भाजपा-शासित राज्यों में त्योहारों के दौरान मछली व मांस की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों का हवाला दिया था। बनर्जी ने ऐसी नीतियों को बंगाल की सांस्कृतिक पहचान की समझ की कमी बताया।

भाजपा बोली- हमारी सरकार नॉनवेज पर नहीं लगाएगी रोक

भाजपा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया। प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने स्पष्ट किया कि मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध की कोई योजना नहीं, व लोगों की खान-पान संबंधी पसंदों का सम्मान किया जाएगा।

इस विवाद पर भाजपा नेता और नागालैंड के मंत्री तेमजेन इम्ना अलॉन्ग ने मांस खाते हुए एक वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा, "ममता दीदी, मैं भाजपा में हूं और शौक से मांसाहारी हूं।" यह प्रतिक्रिया भाजपा के स्टैंड के अनुरूप थी।

अनुराग ठाकुर समेत भाजपा नेताओं ने खाया था माछ-भात

पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन, अनुराग ठाकुर सहित भाजपा नेताओं ने मछली और चावल (माछ भात) खाकर ममता बनर्जी के आरोपों का जवाब दिया। यह कदम उनके इस दावे का खंडन करने का प्रयास था कि भाजपा सत्ता में आने पर मछली पर प्रतिबंध लगाएगी।

पीएम मोदी ने मां काली की विधिवत पूजा

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे पर मंदिर के मुख्य पुजारी गुणासेंदु भट्टाचार्य ने खुशी जताई। उन्होंने बताया, "प्रधानमंत्री यहाँ आए, देवी को माला व प्रसाद चढ़ाकर पूजा की। वे कुछ देर बैठकर माँ की आरती करते रहे।" भट्टाचार्य ने आगे कहा, "मैंने उन्हें मंदिर के शानदार इतिहास से अवगत कराया और उन्होंने उसे धैर्यपूर्वक सुना। क्या प्रार्थनाएं कीं, यह मुझे नहीं पता, किंतु विश्वास है कि उन्होंने देश के कल्याण के लिए ही कामना की होगी।"

कोलकाता का कालीबाड़ी मंदिर में भक्तों की है अटूट श्रद्धा

थंथानिया कालीबाड़ी कोलकाता के सबसे प्राचीन व प्रतिष्ठित काली मंदिरों में से एक है। 1703 में स्थापित, इसका 300 से अधिक वर्षों का गौरवशाली इतिहास है, जो शहर के वर्तमान स्वरूप से भी पुराना है। यहाँ माँ सिद्धेश्वरी की पूजा की जाती है, जिन्हें 'जाग्रत' देवी माना जाता है। मंदिर समिति के सदस्य पलाश घोष ने बताया हम मंदिर से जुड़ी नौवीं पीढ़ी हैं, यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक अवसर है।"

कालीबाड़ी में चढ़ता है मांसाहारी प्रसाद?

यह मंदिर देवी को मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की अपनी दुर्लभ प्रथा के लिए विख्यात है। माना जाता है कि इसकी शुरुआत रामकृष्ण परमहंस ने की थी, जिन्होंने ब्रह्मानंद केशव चंद्र सेन के स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना करते हुए 'डाब-चिंगड़ी' का भोग लगाया था। यह परंपरा तब से लगातार निभाई जा रही है।

कालीबाड़ी मंदिर में क्यों चढ़ता है नॉनवेज प्रसाद?

रामकृष्णदेव जब श्यामापुकुर में बीमार थे, तब भी श्रद्धालुओं ने इसी प्रथा का पालन करते हुए मांसाहारी प्रसाद के साथ प्रार्थनाएं की थीं। यह मंदिर रामकृष्ण परमहंस से गहराई से जुड़ा है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे अक्सर यहाँ आते थे और भक्ति गीत गाया करते थे।

मंदिर की दीवारों पर उनकी एक प्रसिद्ध पंक्ति लिखा है: "शंकरेर हृदय माझें, काली बिराजे" (माँ काली शंकर के हृदय में वास करती हैं)।

ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान कौन है, जिसके मदरसे पर चला सीएम योगी का बुलडोजर? पाकिस्तान कनेक्शन-विदेशी फंडिंग

उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर के खलीलाबाद स्थित गोश्त मंडी में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार की बुलडोजर कार्रवाई कथित अवैध मदरसे पर हुई। भारी पुलिस बल और कड़ी सुरक्षा के बीच ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान के कथित अवैध मदरसे पर बुलडोजर चल पड़ा। 6 बुलडोजर, 2 पोकलैंड मशीनें और करीब 100 पुलिसकर्मी (30 महिला सिपाही समेत) मौके पर तैनात। दो बुलडोजर के ब्लेड टूट गए, एक मशीन खराब हो गई, फिर भी 3 पिलर गिर चुके हैं। अब 45 से ज्यादा पिलर बाकी। तीन मंजिला इमारत (640 वर्ग मीटर, 25 कमरे, 5 करोड़ की लागत) को पूरी तरह ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी है।

यह मदरसा 'कुलियातुल बनातिर रजविया' नाम से जाना जाता था। 2024 में बंद होने से पहले यहां 400 बच्चे (ज्यादातर लड़कियां) पढ़ते थे। उट योगी आदित्यनाथ सरकार की सख्ती का यह नया उदाहरण है। लेकिन सवाल उठता है कि ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान आखिर कौन है? पाकिस्तान से उसका कनेक्शन क्या? विदेशी फंडिंग का रैकेट कैसे चला? आइए पूरी कहानी विस्तार से समझते हैं...

आजमगढ़ से ब्रिटेन तक का सफर शमसुल हुदा खान का जन्म 12 जुलाई 1984 को संतकबीरनगर जिले के देवरिया लाला गांव (दुधारा थाना) में हुआ था। मूल रूप से आजमगढ़ का रहने वाला। 2007 में वह ब्रिटेन चला गया। 2013 में ब्रिटिश नागरिकता हासिल कर ली। लेकिन भारत से नाता नहीं टूटा।

वह 2007 से 2017 तक आजमगढ़ के 'दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम' में सहायक अध्यापक के पद पर था। ब्रिटेन में रहते हुए भी उसने 31 जुलाई 2017 तक सरकारी वेतन लिया – कुल 16 लाख रुपये से ज्यादा। अनियमित मेडिकल लीव, श्फ्र (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति) और यहां तक कि जीपीएफ-पेंशन का फायदा भी लिया। ब्रिटिश नागरिक होने के बावजूद यह सब कैसे? अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की मिलीभगत का आरोप। करीब 5 महीने पहले मामले के सामने आने पर विभाग के 4 अधिकारियों को निलंबित किया गया, संयुक्त निदेशक एसएन पांडे, गाजियाबाद उप्र साहित्य निकष सिंह, बरेली के लालमन और अमेठी के प्रभात कुमार।

2017 में वह भारत छोड़कर ब्रिटेन चला गया। लेकिन परिवार खलीलाबाद में ही है कि पत्नी सकलैन खातून, बेटा तौसीफ रजा और बहू नसरीन। मौलाना खुद ब्रिटेन में रहता है, लेकिन भारत में मदरसों और NGO के जरिए सक्रिय था।

सरकारी जमीन पर 5 करोड़ का निर्माण

मदरसा खलीलाबाद (UP इ'ड्डि१ ड्'ट्र'२) तहसील के खलीलाबाद गांव (मोतीनगर मोहल्ला, गाटा संख्या 154) पर बना। 640 वर्ग मीटर (करीब 7000 वर्ग फीट) सरकारी जमीन पर। नक्शा पास नहीं, मंजूरी नहीं। 2024 में गांव निवासी अब्दुल हकीम ने रुट कोर्ट में

शिकायत की। नवंबर 2025 में रुट कोर्ट ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया। मदरसा कमेटी ने DM और कमिश्नर कोर्ट में अपील की, लेकिन 25 अप्रैल 2026 को बस्ती मंडल कमिश्नर ने अपील खारिज कर दी। कोई केस लंबित नहीं बचा, इसलिए रविवार को कार्रवाई शुरू।

SD M हृदय राम तिवारी ने कहा, 'जमीन सरकारी में मिला दी गई थी। निर्माण पूरी तरह अवैध था।' अतिरिक्त DM जय प्रकाश और उड प्रियम राजशेखर मौके पर मौजूद।

विदेशी फंडिंग का रैकेट और पाकिस्तान कनेक्शन

एजेंसियों (ATS, ED) की जांच में चौंकाने वाले खुलासे: NGO 'राजा फाउंडेशन' के जरिए विदेशी फंडिंग। अलग-अलग मदरसों में पैसे भेजे गए। व्यक्तिगत बैंक खातों का भी इस्तेमाल।

ED का PMLA केस (दिसंबर 2025): मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप। विदेशी मुद्रा अधिनियम का उल्लंघन।

ATS जांच: 2007 से संदिग्ध गतिविधियां। पाकिस्तान के कई शहरों का दौरा। वहां के मौलवियों और संगठनों से संपर्क। जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेताओं से भी कनेक्शन।

दावत-ए-इस्लामी: पाकिस्तान का कट्टरपंथी संगठन। मौलाना इसके सदस्य माने जाते हैं। भारत में इस्लामी प्रचार के नाम पर कट्टरपंथ फैलाने का आरोप।

वढ पुलिस ने उसके खिलाफ 3 FIR दर्ज कीं:

संतकबीरनगर (खलीलाबाद कोतवाली, 2 नवंबर 2024): धोखाधड़ी, विदेशी मुद्रा अधिनियम उल्लंघन, अवैध आर्थिक लाभ, आपराधिक साजिश।

आजमगढ़: धोखाधड़ी और आर्थिक गड़बड़ी।

तीसरा केस: विदेशी फंडिंग और संदिग्ध गतिविधियां।

पहले दो मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।

मदरसा 2024 में पहली बार सील हुआ। मौलाना ने पास की बाउंड्री में दूसरा मदरसा खोल लिया। नवंबर 2025 में वह भी सील। एक मकान में गर्ल्स हॉस्टल भी चलाता था – संतकबीरनगर, बस्ती, आजमगढ़ समेत कई जिलों की लड़कियां रहती थीं।

Yogi Gover»»fme»»ft का सख्त रुख: क्यों चला बुलडोजर?

UP में CM योगी आदित्यनाथ सरकार अवैध निर्माण, विदेशी फंडिंग और कट्टरपंथ पर जीरो टॉलरेंस बरत रही है। यह कार्रवाई सिर्फ एक मदरसे की नहीं – अवैध मदरसों, फर्जी फंडिंग और रैडिकलाइजेशन के खिलाफ बड़ी मुहिम का हिस्सा है। प्रशासन का कहना है कि मदरसा 2024 से बंद था, लेकिन इमारत खड़ी रखकर फंडिंग का नेटवर्क चल रहा था।

कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। PAC की दो कंपनियां तैनात। स्थानीय लोग चुपचाप देख रहे हैं। मदरसा कमेटी अब कोई कानूनी रास्ता नहीं बचा पाई।

बड़े सवाल और मायने

विदेशी फंडिंग का खतरा: भारत में मदरसों में विदेशी पैसा आने से कट्टरपंथ फैलने का खतरा। ए्ठ‌ अब्र की जांच में ऐसे कई नेटवर्क सामने आए हैं।

सरकारी सैलरी घोटाला: ब्रिटिश नागरिक सरकारी वेतन ले – यह सरकारी खजाने के साथ धोखा। 4 अधिकारियों का निलंबन सिर्फ शुरुआत।

पाकिस्तान कनेक्शन: दावत-ए-इस्लामी जैसे संगठनों से लिंक। भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय।

मदरसा सुधार: वढ सरकार मदरसों का सर्वे करा रही है। पाठ्यक्रम आधुनिक बनाने और फंडिंग की पारदर्शिता पर जोर।

यह मामला सिर्फ एक इमारत गिराने का नहीं। यह दिखाता है कि वढ में अवैध निर्माण, फर्जी फंडिंग और संदिग्ध गतिविधियों पर सरकार की नजर कितनी पैनी है। मौलाना ब्रिटेन में है, लेकिन उसका नेटवर्क भारत में था। एउ-अब्र की जांच आगे बढ़ रही है। परिवार अभी खलीलाबाद में है।

बुलडोजर एक्शन ने एक बार फिर साबित किया कि कानून के राज में कोई भी ऊपर नहीं। शमसुल हुदा खान का केस विदेशी फंडिंग, पाकिस्तान लिंक और सरकारी धोखाधड़ी का मिसाल बन गया है। अब देखना होगा कि जांच में और कितने बड़े खुलासे होते हैं। क्या ब्रिटेन से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू होगी? क्या मदरसा शिक्षा में बड़े सुधार आएंगे?

एमपी बाबा बलवीर सिंह सीचेवाल? जिन्होंने केजरीवाल को नहीं दिया धोखा, आप टूट के बीच क्यों नहीं गए भाजपा में?

(जीएनएस)। आम आदमी पार्टी (AAP) के लिए हालिया राजनीतिक घटनाक्रम किसी बड़े झटके से कम नहीं है। पार्टी के कई राज्यसभा सांसदों के एक साथ अलग होने की खबरों ने पंजाब की राजनीति को हिला दिया। अक्सर के इतिहास की सबसे बड़ी बगावत के बीच एक ऐसा नाम निखरकर सामने आया है, जिसने सत्ता के लालच और दबाव के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया। हम बात कर रहे हैं पद्मश्री बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल की।

जहां राघव चड्ढा की अगुवाई में पंजाब के 6 और दिल्ली की 1 सांसद (स्वाति मालीवाल) ने पाला बदलकर बीजेपी का दामन थाम लिया, वहीं बाबा सीचेवाल आज राज्यसभा में पंजाब से 'आप' के इकलौते और वफादार सिपाही बनकर खड़े हैं। राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहा है कि आखिर बाबा सीचेवाल कौन हैं, क्यों उन्हें बाकी सांसदों की तरह सत्ता या समीकरणों ने प्रभावित नहीं किया, और क्यों उन्होंने पार्टी छोड़ने के बजाय अपने रास्ते पर टिके रहने का फैसला किया।

बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल पंजाब के जाने-माने पर्यावरणविद्, समाजसेवी और आध्यात्मिक व्यक्तित्व हैं। उनका जन्म 2 फरवरी 1962 को पंजाब के जालंधर जिले के सीचेवाल गांव में हुआ था। किसान परिवार से आने वाले सीचेवाल ने राजनीति से पहले सामाजिक बदलाव को अपना मिशन बनाया।

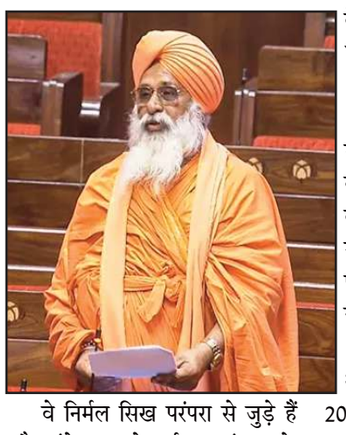

वे निर्मल सिख परंपरा से जुड़े हैं और लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करते रहे हैं। पंजाब में उनका नाम किसी राजनीतिक नेता से ज्यादा एक सामाजिक आंदोलनकारी के रूप में लिया जाता है।

बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल के जीवन के कुछ प्रमुख पहलु:

◆काली बेईं का पुनरुद्धार: उन्होंने 160 किलोमीटर लंबी 'काली बेईं' नदी को अकेले दम पर साफ करने का बीड़ा उठाया था, जो कभी गंदा नाला बन चुकी थी। यह वही पवित्र स्थान है जहाँ गुरु नानक देव जी को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

◆पद्मश्री सम्मान: पर्यावरण के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए साल 2017 में उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 'पद्मश्री' से सम्मानित किया था।

◆इको-बाबा : फेमस टाइम मैगजीन ने उन्हें 'हीरोज ऑफ एनवायरनमेंट' की सूची में शामिल किया था।

◆मानवतावादी कार्य: उन्होंने अरब देशों में फंसी पंजाबी महिलाओं और युवाओं को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाकर वापस लाने में अहम भूमिका निभाई है।

बाबा सीचेवाल को सबसे ज्यादा पहचान मिली काली बेईं नदी की सफाई मुहिम से। यह नदी कभी प्रदूषण और गंदगी का प्रतीक बन चुकी थी। आसपास के गांवों और शहरों का गंदा पानी इसमें गिरता था और नदी लगभग नाले में बदल चुकी थी। साल 2000 में बाबा सीचेवाल ने इस नदी को पुनर्जीवित करने का अभियान शुरू किया। उन्होंने सरकारी मदद का इंतजार नहीं किया। गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ा और सफाई अभियान चलाया।

धीरे-धीरे हजारों लोग इस मिशन से जुड़े और लगभग 160 किलोमीटर लंबी नदी की सफाई का बड़ा काम शुरू हुआ। आज यह नदी पंजाब में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल मानी जाती है।

बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल के काम को सिर्फ पंजाब तक सीमित पहचान नहीं मिली। उन्हें वर्ष 2017 में भारत सरकार की ओर से पद्मश्री सम्मान दिया गया।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके काम की चर्चा हुई। ढ्ढ्ढ ट्ट्ट्ल्ली ने उन्हें पर्यावरण के क्षेत्र में दुनिया के चुनिंदा नायकों में शामिल किया। यह सम्मान उन्हें काली बेईं नदी के पुनर्जीवन और सामुदायिक भागीदारी के जरिए पर्यावरण सुधार के लिए मिला।

पंजाब से राज्यसभा भेजे गए अक्सर सांसदों में हालिया बदलाव के बाद बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल अब पार्टी के इकलौते सांसद बचे हैं। जिन नेताओं ने पार्टी छोड़ी, उनमें कई बड़े राजनीतिक चेहरे शामिल थे। लेकिन सीचेवाल ने न केवल दूरी बनाए रखी, बल्कि संकेत दिया कि उनकी राजनीति व्यक्तिगत लाभ से नहीं, बल्कि सामाजिक काम से जुड़ी है।

उनका राज्यसभा कार्यकाल 5 जुलाई 2028 तक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे समय में पार्टी के साथ बने रहना सिर्फ रणनीतिक फैसला नहीं, बल्कि व्यक्तिगत विचारधारा का भी संकेत है।

बाबा सीचेवाल का खुलासा- बगावत के लिए आया था फोन

बाबा सीचेवाल ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें इस बड़ी टूट का हिस्सा बनने के लिए सीधा प्रस्ताव मिला था। उन्होंने बताया कि सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने उन्हें फोन किया था। साहनी ने उनसे कहा कि वे एक स्वतंत्र गुट बना रहे हैं और कई सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। साहनी चाहते थे कि बाबा सीचेवाल भी उस लिस्ट में अपना नाम जोड़ दें। लेकिन बाबा ने दोटूक जवाब देते हुए कहा, "नहीं, मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है।"

साहनी ने उन्हें झांसा देने की कोशिश की और कहा कि 'यूनिवर्सिटी वाले' (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक अशोक मित्तल) ने भी साइन कर दिए हैं। लेकिन बाबा सीचेवाल अपनी जगह से नहीं डिगे। उन्होंने साफ कर दिया कि वे किसी पद के लालची नहीं हैं।

इतना ही नहीं, बागी गुट ने बाबा सीचेवाल को अपने पाले में करने के लिए 'सॉफ्ट पावर' का भी इस्तेमाल किया था।

साकिब और वैभव जैसे सितारे तराशने वाले रॉबिन सिंह की कहानी, जब जुनून के आगे फीका पड़ा मेडिकल करियर

(जीएनएस)। बिहार क्रिकेट लंबे समय के बाद ऊपर आया है और एक साथ कई खिलाड़ी भारत को दिए हैं। इन सबके बीच पर्दे के पीछे काम करने वाले रॉबिन सिंह ने अपने प्रदेश की प्रतिभाओं को तराशने में अहम भूमिका निभाई है, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता होगा।

चिकित्सा की दुनिया में एक सम्मानजनक और स्थिर जीवन रॉबिन सिंह का इंतजार कर रहा था, उनको उसी फील्ड में जाना था। वह हैदराबाद में रहते थे, रॉबिन की नजरें मेडिकल की किताबों या अस्पताल की गलियारों के बजाय बिहार की उन धूल भरी पिचों पर टिकी थीं, जहां क्रिकेट संसाधनों के अभाव में भी केवल जिद के दम पर जिंदा था।

बिहार के क्रिकेट का इतिहास संघर्षों से भरा रहा है। एक समय था जब मुंबई और दिल्ली जैसी टीमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने वाली मशीन बनी हुई थीं, वहीं बिहार प्रशासनिक उलझनों और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण गुमनामी में खोया था।

महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज को भी अपनी पहचान बनाने के लिए बिहार से झारखंड का रुख करना पड़ा था। लगभग अठारह वर्षों तक बिहार ने रणजी ट्रॉफी तक नहीं खेली। पटना या समस्तीपुर के मैदानों पर पसीना बहाने वाले युवाओं के लिए सपना देखना किसी जोखिम से कम नहीं था। या तो वे दूसरे राज्यों के लिए खेलने को मजबूर थे या फिर उनका टैलेंट दोपहर की चिलचिलाती धूप में दम तोड़ देता था।

एक कठिन चुनाव और जुनून की जीत

इसी अंधकार के बीच रॉबिन सिंह ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपने मेधावी छात्र होने के रिकॉर्ड और मेडिकल की पढ़ाई को पीछे छोड़कर कोचिंग और स्काउटिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके पिता जो खुद एक प्रोफेसर थे, इस फैसले से बेहद आहत थे और उन्होंने लंबे समय तक रॉबिन से बात नहीं की। रॉबिन ने हैदराबाद में क्रिकेट की बारीकियां और वहां के सिस्टम को करीब से देखा था। उन्होंने समझा कि एक गली के क्रिकेटर और आईपीएल स्टार के बीच का फासला केवल पेशेवर कोचिंग और सही मार्गदर्शन का होता है।

अभावों के बीच उम्मीद की नई बुनियाद

2017 में जब वे एक पारिवारिक शादी के सिलसिले में बिहार आए, तो नियति ने उन्हें यहीं रोक लिया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के पास उस वक्त फंड नहीं था, फिर भी रॉबिन ने बिना वेतन के अंडर-16 टीम को कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने देखा कि बच्चों के पास क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म तक नहीं है। हार मानने के बजाय उन्होंने अपने पुराने मेडिकल दोस्तों से स्पॉन्सरशिप जुटाई और पहली बार बिहार की युवा टीम को एक पेशेवर पहचान दी। उन्होंने खेल की तकनीक के साथ-साथ खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक विकास पर भी काम करना शुरू किया।

मिट्टी से निकले हीरे और रॉबिन की पारखी नजर

रॉबिन की सबसे बड़ी खोजों में साकिब हुसैन और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम शामिल हैं। साकिब जो कभी चंद रुपयों के लिए टेनिस बॉल क्रिकेट खेलते थे, आज अपनी 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आईपीएल में बल्लेबाजों को डराते हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 2025 में सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू और शतक लगाकर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। रॉबिन ने केवल प्रतिभा नहीं खोजी, बल्कि उन्होंने खिलाड़ियों की मानसिकता और उनके खेल को तकनीक पर आधुनिक विज्ञान के साथ काम किया।

नई पहचान और भविष्य की फैक्ट्री

आज बिहार अब केवल एक पिछड़ा हुआ राज्य नहीं, बल्कि क्रिकेट की एक नई फैक्ट्री बनकर उभर रहा है। रॉबिन सिंह वर्तमान में जियोहॉटस्टार पर भोजपुरी कमेंट्री के माध्यम से क्रिकेट को घर-घर तक पहुंचा रहे हैं, लेकिन उनकी असली पहचान आज भी उन्हीं धूल भरे मैदानों में है जहां वे फटे हुए जूतों और बड़ी आंखों वाले बच्चों को उनके सपनों की मंजिल तक पहुंचाते हैं।

डिवाइडर पर सो रहे लोगों पर चढ़ी एसयूवी, एक की मौत, चार घायल; छात्र को भीड़ ने जमीन पर गिराकर पीटा

लखनऊ , (जीएनएस)।

लखनऊ के कैसरबाग स्थित बलिंगटन चौराहे पर तेज रफ्तार एसयूवी स्कूटी से टकराकर डिवाइडर पर सो रहे लोगों पर चढ़ गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार लखनऊ के कैसरबाग में शनिवार देर रात बलिंगटन चौराहे पर तेज रफ्तार एसयूवी स्कूटी से जा टकराई। फिर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर सो रहे दो लोगों पर चढ़ गई। हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

इंस्पेक्टर अंजनी मिश्र के मुताबिक

शनिवार देर रात करीब तीन बजे सवार पीजीआई निवासी सुशील सोनी, विधान भवन की ओर मेडिकल छात्र एसयूवी से जा रहा था। तभी बलिंगटन चौराहे के पास एसूयवी आगे चल रही स्कूटी से जा टकराई। हादसे में स्कूटी सूरज कश्यप और हेमंत साहू घायल हो गए। फिर एसयूवी ने सो रहे दो और लोगों को कुचल दिया। हादसे से वहां अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।

आक्रोशित लोगों ने आरोपी छात्र को एसयूवी से बाहर निकला और बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों के चंगुल से आरोपी चालक को छुड़ाया। फिर पांचों घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने सुशील सोनी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, चार अन्य की हालत गंभीर देख उन्हें भर्ती कर लिया।

पीएम मोदी करेंगे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन, वाराणसी को देंगे ₹6350 करोड़ की सौगात, जानें 28-29 अप्रैल का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28-29 अप्रैल को यूपी के दौरे पर रहेंगे. वे वाराणसी में ₹6350 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, जिसमें महिला सम्मेलन, सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल और नई अमृत भारत ट्रेनें शामिल हैं. इसके बाद, हरदोई में ₹36230 करोड़ की लागत से बने 594 किमी लंबे 'गंगा एक्सप्रेसवे' का उद्घाटन करेंगे. यह एक्सप्रेसवे 12 जिलों को जोड़ते हुए मेरठ से प्रयागराज की दूरी आधी कर देगा, जिससे राज्य में आर्थिक क्रांति, बेहतर लॉजिस्टिक्स और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे.

उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 28 और 29 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी और हरदोई के महत्वपूर्ण दौरे पर आ रहे हैं. यह दौरा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि विकास के लिहाज से 'ऐतिहासिक' होने वाला है. इस दो दिवसीय प्रवास के दौरान पीएम मोदी उत्तर प्रदेश को करीब 6,350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे. इसमें सबसे बड़ा आकर्षण 'गंगा एक्सप्रेसवे' का उद्घाटन है, जो पश्चिमी यूपी को पूर्वी यूपी से जोड़ने वाली नई लाइफलाइन साबित होगा.

पीएम करेंगे 6,350 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन

पीएम मोदी के दौरे की शुरूआत 28 अप्रैल को धर्म और आध्यात्म की नगरी काशी से होगी. शाम करीब 5 बजे वाराणसी में एक विशाल 'महिला सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है. इस सम्मेलन के जरिए पीएम मोदी न केवल आधी आबादी को संबोधित

करेंगे, बल्कि नारी शक्ति के सशक्तिकरण का संदेश भी देंगे. इस अवसर पर प्रधानमंत्री लगभग 6,350 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे.

आईएएनएस की खबर के मुताबिक, काशी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,050 करोड़ रुपए की लागत वाली 48 पूर्ण हो चुकी परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जाएंगी. इनमें वाराणसी-आजमगढ़ सड़क का चौड़ीकरण, कज्जाकपुरा और कादीपुर के महत्वपूर्ण रेल ओवरब्रिज शामिल हैं, जो शहर के ट्रैफिक जाम से जनता को मुक्ति दिलाएंगे.

ये भी पढ़ें: 500 बेड, 47 कउव और हर मर्ज का इलाज सिर्फ 1 रुपये में, वाराणसी में बनेगा 315 करोड़ से 8 मंजिला सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

भगवानपुर में आधुनिक सीवेज प्लांट और सामुदायिक विकास

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन और गंगा निर्मलीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए भगवानपुर में 55 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन करेंगे. इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 'जल जीवन मिशन' के तहत 30 पेयजल योजनाओं की शुरूआत होगी, जिससे हजारों घरों तक शुद्ध पानी पहुंचेगा. काशी की सांस्कृतिक विरासत को संवारने के लिए चंद्रावती घाट का पुनर्विकास, सारनाथ स्थित सारंगनाथ मंदिर का पर्यटन विकास और नागवा में संत रविदास पार्क का सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य शामिल हैं.

स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर

सार्वजनिक सेवाओं और खेलों में सुधार भी प्रमुखता से किए जा रहे हैं, जिनमें यूपी कॉलेज में सिंथेटिक हॉकी टर्फ, रामनगर में 100 बिस्तरों वाला वृद्धाश्रम और भेलूपुर जल शोधन संयंत्र में 1 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं. पीएम मोदी के इस दौरे में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर दिया गया है. वे करीब 5,300 करोड़ रुपए की लागत वाली 112 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे. इसमें सबसे अहम 'श्री शिव प्रसाद गुप्ता संभागीय जिला अस्पताल' में 500 बिस्तरों वाला सुपर-स्पेशलिटी ब्लॉक है. साथ ही, तिब्बती अध्ययन केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'सोवा रिग्पा' भवन और अस्पताल का उद्घाटन किया जाएगा.

आधुनिक बाजार और बेहतर कनेक्टिविटी

शहर के नियोजित विकास के लिए भोजुवीर और सिगरा में नए बाजार परिसर और कार्यालय भवनों का निर्माण किया जाएगा. इसके अलावा, काशी के विश्वप्रसिद्ध अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट और नमो घाट पर पर्यटक सुविधाओं का और अधिक विस्तार किया जाएगा. रेलवे के क्षेत्र में भी वाराणसी को बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है. पीएम मोदी वाराणसी जंक्शन से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन की आधारशिला रखेंगे. इस परियोजना में गंगा नदी पर एक नया 'रेल-सह-सड़क' पुल भी शामिल है. यह पुल न केवल रेल यातायात को सुगम बनाएगा बल्कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा.

रवि किशन के रोड शो में भारी बवाल, लोगों ने की जमकर तोड़फोड़ और नारेबाजी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण का रण सज चुका है। पहले चरण के ऐतिहासिक मतदान के बाद दूसरे चरण की 142 सीटों पर कब्जा जमाने के लिए राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी बीच, चुनावी सरगर्मी उस समय और बढ़ गई जब बीजेपी सांसद और भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन के रोड शो में भारी हंगामा हुआ।

BJP उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में निकले इस काफिले में कथित तौर पर घुसपैठ और तोड़फोड़ की कोशिश की गई। सड़कों पर उतर आए कार्यकताओं और नारेबाजी के बीच स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसने बंगाल चुनाव की संवेदनशीलता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। चुनाव आयोग ने भी इस घटनाक्रम पर अपनी पैनी नजर बना ली है।

रोड शो में अफरा-तफरी और झंडे फाड़ने का विवाद

बीजेपी उम्मीदवार उमेश राय के प्रचार के लिए रवि किशन का रोड शो निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब बड़ी संख्या में कार्यकताओं का हुजूम आगे बढ़ रहा था, तभी कुछ अज्ञात लोगों ने जुलूस के बीच घुसकर नारेबाजी शुरू कर दी।

इखढ नेताओं का गंभीर आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस (TMC) के समर्थकों ने जानबूझकर रोड शो में व्यवधान डाला और पार्टी के झंडे फाड़ दिए। इस दौरान मौके पर काफी अफरा-तफरी मच गई और

कार्यकताओं में भारी नाराजगी देखी गई। हालांकि, रवि किशन ने सूझबूझ का परिचय देते हुए गाड़ी से ही मोर्चा संभाला। उन्होंने कार्यकताओं को शांत रहने की हिदायत देते हुए कहा, "हर-हर महादेव बोलते रहो, कोई हंगामा नहीं करेगा, सीधे आगे बढ़ो।"

"हार की घबराहट है यह विरोध", रवि किशन

घटना के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए रवि किशन ने हमलावर रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि यह विरोध नहीं बल्कि विरोधियों की हार की घबराहट है। किशन ने जोर देकर कहा कि जब चुनाव में हार सामने दिखने लगती है, तो हताशा में इस तरह की हरकतें की जाती हैं। उन्होंने दावा किया कि बंगाल की जनता अब बदलाव का मन बना चुकी है और डराने-धमकाने की राजनीति का अंत निश्चित है।

नेताओं पर हमलों का सिलसिला जारी

बंगाल के इस चुनावी समर में हिंसा और टकराव की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई दिग्गज नेताओं को विरोध का सामना करना पड़ा है:

शुभेंदु अधिकारी: हावड़ा के बाली में उनके काफिले को रोकने का प्रयास किया गया।

अग्निमित्रा पॉल: आसनसोल दक्षिण में उनके वाहन पर पथराव हुआ, जिससे कार के शीशे टूट गए।

शुभेंदु सरकार: कुमारगंज में बीजेपी उम्मीदवार के साथ मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

अमित शाह: दुगार्पुर में गृह मंत्री के रोड शो के बाद बीजेपी और टीएमसी कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए।

चुनाव आयोग की सक्रियता और 142 सीटों का समीकरण

बीजेपी का स्पष्ट कहना है कि पहले चरण के भारी मतदान से टीएमसी नेतृत्व में बेचैनी है, जिसके कारण उनके कार्यकर्ता दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन तमाम घटनाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए चुनाव आयोग ने स्थानीय प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। चूंकि दूसरे चरण में राज्य की 142 महत्वपूर्ण सीटों पर मतदान होना है, ऐसे में कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। फिलहाल राज्य के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बल फ्लैग मार्च कर रहे हैं।

विंड एनर्जी में भारत बना चौथा सबसे बड़ा देश, पीएम मोदी ने गिनाईं परमाणु उपलब्धियां

नई दिल्ली , (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण में देश को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने न सिर्फ देश की उपलब्धियों का जिक्र किया, बल्कि मौजूदा वैश्विक तनाव पर भी चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने इस बार 'मन की बात' की शुरूआत एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि से की। उन्होंने कहा, "चुनावों की भागदौड़ के बीच, आपके संदेशों और पत्रों के जरिए हम नागरिकों की उपलब्धियों की खुशियां साझा करते रहे हैं।

"हमारे परमाणु वैज्ञानिकों ने भारत को गौरान्वित किया"

पीएम मोदी ने भारत के सिविल न्यूक्लियर की सराहना करते हुए इसे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण बताया। मोदी ने कहा, "हमारे परमाणु वैज्ञानिकों ने भारत को गौरवान्वित किया है।" ये कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहा है। इससे हमारे इंडस्ट्रियल ग्रोथ को, एनर्जी सेक्टर, हेल्थ केयर सेक्टर को बहुत लाभ हुआ है। खेती किसानी से लेकर आधुनिक इनोवेटर्स को भी सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम ने बहुत मदद की है।

तमिलनाडु में परमाणु वैज्ञानिकों की उपलब्धि गिनाई

पीएम मोदी ने बताया हाल ही में परमाणु वैज्ञानिकों ने तमिलनाडु के कलपक्कम में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने 'क्रिटिकलिटी' हासिल कर ली है, जिसका मतलब है कि अब यह रिएक्टर संचालन के चरण में प्रवेश कर चुका है।"यह भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में ऐतिहासिक मील का पत्थर है और पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित है।

"भारत बना विंड एनर्जी में चौथा सबसे बड़ा देश"

पीएम मोदी ने विंड एनर्जी क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत अब विंड एनर्जी में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी शक्ति बन गया है। पवन ऊर्जा को 'अदृश्य शक्ति' बताते हुए इसके महत्व पर जोर दिया, जिसके बिना जीवन असंभव है।

वैश्विक शांति के लिए भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाने की अपील

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में वैश्विक हालात पर भी चिंता जताई और दुनिया से भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाने की अपील की। मई में आने वाली बुद्ध पूर्णिमा की देशवासियों को अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान गौतम बुद्ध के शांति संदेश की प्रासंगिकता पर जोर दिया। मोदी ने कहा, "शांति की शुरूआत अपने भीतर से होती है" और "स्वयं पर विजय ही सबसे बड़ी विजय है।" उन्होंने आज के वैश्विक तनावपूर्ण माहौल में इन विचारों को अत्यंत प्रासंगिक बताया।

मुंबई में इवेंट इंडस्ट्री को बड़ी सौगात, एक क्लिक पर मिलेगी लाइव इवेंट्स और कॉन्सर्ट्स को परमीशन

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में लाइव इवेंट्स और कॉन्सर्ट्स के आयोजन को आसान बनाने के लिए 'सिंगल विंडो क्लीयरेंस' सिस्टम शुरू करने का एक बड़ा फैसला लिया है। यह कदम मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा देने और 'Ease of Doiag Business' को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

केंद्र सरकार के निदेर्शों के अनुसार महाराष्ट्र सरकार जल्द ही ये सिस्टम शुरू करेगी। वर्तमान में, महाराष्ट्र में किसी भी बड़े कार्यक्रम या कॉन्सर्ट के लिए आयोजकों को पुलिस, नगर निगम (BMC), अग्निशमन विभाग, मनोरंजन कर विभाग और यातायात पुलिस जैसे लगभग 10 से 15 विभिन्न विभागों से अलग-अलग अनुमति लेनी पड़ती है। नई प्रणाली इन सभी को एक ही मंच पर लाएगी।

उच्च स्तरीय समिति गठित

राज्य सरकार ने इस सिस्टम के लिए रडढ को तैयार करने के लिए 25 सदस्यों वाली एक उच्च स्तरीय समिति बनाई है। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (DGIPR) के प्रधान सचिव

और महानिदेशक इस समिति के अध्यक्ष होंगे। इसमें मुंबई पुलिस के संयुक्त आयुक्त, अग्निशमन सेवा के निदेशक, आबकारी (Excise) आयुक्त और ऊर्जा, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

नोडल एजेंसी

सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, इस पहल का लक्ष्य भारत को लाइव मनोरंजन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करना है, जो केंद्र द्वारा स्थापित 'लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल' के उद्देश्यों से मेल खाता है।सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (DGIPR) को इस प्रोजेक्ट के लिए 'नोडल ऑफिस' नियुक्त किया गया है। यह विभाग केंद्र सरकार के 'लाइव इवेंट डेवलपमेंट सेल' (LEDC) के साथ मिलकर काम करेगा।

डिजिटल डैशबोर्ड

परमिट प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए एक विशेष डिजिटल डैशबोर्ड डेवलेप किया जाएगा। इसके जरिए आयोजक एक ही जगह से आवेदन कर सकेंगे और अपनी फाइल का स्टेटस ट्रैक कर सकेंगे।

इससे क्या बदलेगा?

अनुमति मिलने में लगने वाले हफ्तों का समय अब कुछ दिनों में सिमट जाएगा।

कोल्डप्ले (Coldplay) और लोलपालूजा (Lollapalooza) जैसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की सफलता के बाद, महाराष्ट्र अब खुद को ग्लोबल इवेंट हब के रूप में देख रहा है।

लाइव इवेंट सेक्टर 2026 तक और भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2025 में WAVES समिट के दौरान दिए गए सुझावों के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने लाइव मनोरंजन को निवेश और संस्कृति का इंजन बताया था।

ट्रंप पर 2025 से 4 बार जानलेवा हमला, प्रियंका चतुर्वेदी ने यूएस को बताया 'नरक जैसा' देश

(जीएनएस)।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (WHCD) के बीच अचानक गोलियों की आवाज गूंजी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत सैकड़ों पत्रकार और अधिकारी वहां मौजूद थे। 25 अप्रैल 2026 की शाम को वॉशिंगटन हिल्टन होटल में सुरक्षा चेकपॉइंट पर हथियारबंद हमलावर ने धावा बोला। गोलीबारी शुरू हुई, ट्रंप और अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित जगह पर निकाला गया। हालात काबू में आए, कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान 31 वर्षीय कोल थॉमस एलन के रूप में हुई, जो कैलिफोर्निया के टॉरेंस का रहने वाला है।

इसी घटना पर महाराष्ट्र की शिवसेना (वइळ) नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर तीखा बयान दिया। उन्होंने लिखा, 'अमेरिका में बंदूकों की समस्या गंभीर है... इस समस्या से निपटने के मामले में यह देश एक 'नरक' जैसा बन गया है।' उनका पोस्ट हलउऊ हैशटैग के साथ वायरल हो गया। लेकिन उन्होंने यह बयान क्यों दिया? इसके मायने क्या हैं? आइए पूरी घटना और उसके पीछे की बहस को विस्तार से समझते हैं...

घटना का क्रम:

शाम करीब 8 बजे डिनर शुरू हुआ। हमलावर कोल थॉमस एलन ने होटल लॉबी के सुरक्षा चेकपॉइंट पर हमला किया। उसके पास शॉटगन,

हैंडगन और चाकू थे। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, गोलीबारी हुई।

ट्रंप और अन्य वीआईपी को तुरंत निकाला गया। हमलावर को तुरंत दबोच लिया गया। वह होटल का गेस्ट था और अकेला था।

अमेरिकी मीडिया और पुलिस ने पुष्टि की कि कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद घटना की जानकारी दी और सुरक्षा बलों की तारीफ की।

प्रियंका चतुर्वेदी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि अमेरिका में बंदूकों की समस्या गंभीर है, जिस पर हर साल बंदूक से जुड़ी हर घटना के बाद चर्चा होती है। इस समस्या से निपटने के मामले में यह देश एक 'नरक' जैसा है। इसने स्कूली बच्चों, निर्दोष अमेरिकियों की जान ली है और महत्वपूर्ण राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाया है। अब इस चुनौती का सामना करने का समय आ गया है।

उन्होंने अमेरिका में बार-बार होने वाली बंदूक हिंसा के पैटर्न को टारगेट किया:

स्कूलों में गोलीबारी, आम नागरिकों की मौतें, राजनीतिक नेताओं पर हमले

उनका कहना है कि हर घटना के बाद बहस होती है, लेकिन ठोस नीतिगत कार्रवाई नहीं होती। हलउऊ हैशटैग के साथ उन्होंने साफ तौर पर नीति परिवर्तन की मांग की।

2025 से 4 बार ट्रंप पर हमला

मई 2025 - डेथ थ्रेट लेटर: ट्रंप को मारने की धमकी दी, बाद में दोषी, 16 साल सजा।

अगस्त 2025 - वर्जीनिया गोल्फ क्लब:एक मेंबर लोडेड गन अंदर ले आया, सिक्योरिटी चूक, पर कोई घटना नहीं हुई।

22 फरवरी 2026 - हथियारों के साथ घुसा, सीक्रेट सर्विस ने मार गिराया (ट्रंप मौजूद नहीं थे)।

25 अप्रैल 2026 - व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर:इवेंट के दौरान गोली की आवाजें, एक संदिग्ध गिरफ्तार, कोई घायल नहीं।

'नरक' शब्द के मायने: क्या कहती है ये टिप्पणी?

प्रियंका चतुर्वेदी का 'नरक' शब्द अमेरिका की बंदूक संस्कृति और उसकी नाकामी पर सीधा तंज है। ये टिप्पणी दो बड़ी चीजों को उजागर करती है:-

.दूसरा संशोधन सार्वजनिक सुरक्षा

अमेरिकी संविधान नागरिकों को हथियार रखने का अधिकार देता है।

समर्थक इसे आत्मरक्षा का मौलिक अधिकार मानते हैं। लेकिन आंकड़े कहते हैं कि अमेरिका में बच्चों की मौत का एक प्रमुख कारण बंदूकें ही हैं। स्कूल शूटिंग, मॉल में गोलीबारी, राजनीतिक हमले, ये सब साल दर साल दोहराए जाते हैं।

टेकऑफ करते ही स्विस फ्लाइट के इंजन में लगी आग, 232 लोग थे सवार

(जीएनएस)।

रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस वक्त हड़कंप मच गया जिस वक्त ज्यूरिख जाने वाली स्विस एयर के ईंजन में आग लग गई, इस फ्लाइट में 232 लोग सवार थे, इस घटना में 4 यात्री घायल भी हुए हैं।

समाचार एजेंसी PTI की रिपोर्ट के अनुसार, A330 विमान (फ़्लाइट छ147) ज्यूरिख जा रही स्विस एयर की उड़ान संख्या छ147 ने इंजन में आग लगने के बाद रद्द कर दिया। एयरलाइन ने यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था की है।

यह घटना रविवार रात लगभग 1 बजे के ठीक बाद हुई। टेकऑफ के दौरान इंजन में खराबी आने के कारण विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर के पास से धुआं निकलता देखा गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, फ्लाइट क्रू ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया और रनवे पर आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं को सक्रिय किया।

'टेकऑफ करते ही विमान के एक इंजन में खराबी आई'

एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि 'भारतीय समयानुसार रात 1 बजे के ठीक बाद, टेकऑफ करते ही विमान के एक इंजन में खराबी आ गई। चालक दल ने टेकऑफ रद्द कर दिया और सभी यात्रियों और चालक दल को आपातकालीन दरवाजे के माध्यम से विमान से सुरक्षित बाहर निकाला गया। 4 यात्री जिन्हें चोट आई है, उनका इलाज किया जा रहा है।'

यात्री ईशान जैन ने इस घटना के वीडियो और तस्वीरें एक्स (पहले ट्विटर) पर साझा कीं। उन्होंने कहा कि ' सभी सुरक्षित हैं, कुछ को मामूली चोटें आई हैं। एयरलाइन ने होटल में रुकने और वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की है।'

दिल्ली एयरपोर्ट पर आपातकाल घोषित

मान कंपनी ने कहा कि 'वह यात्रियों के लिए वैकल्पिक प्रबंध कर रही है, और स्विस तकनीकी विशेषज्ञ विमान की जांच के लिए जल्द ही दिल्ली पहुंचेंगे।' दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने सूचित किया कि 'इस घटना के मद्देनजर रविवार तड़के पूर्ण आपातकाल घोषित कर